# जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान टिहरी गढवाल, नई टिहरी

**PHONE & FAX - 01376-234124 email - diet. tehri@gmail.com**


## हिन्दी जिला संदर्भ समूह आख्या 2023-24

## (25 अक्तूबर से 27 अक्तूबर 2023-24)

वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2023-24 में दिनांक 25 से 27 अक्तूबर 2023-24 तक प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापको के लिए तीन दिवसीय जिला संदर्भ हिन्दी कार्यशाला स्वीकृत हुई थी | उस कार्यशाला मे प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापन करने वाले टिहरी जनपद के प्रत्येक विकासखंडों के तीन-तीन हिन्दी अध्यापकों के द्वारा हिन्दी जिला संदर्भ समूह कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया। अजीज प्रेमजी foundation के सदस्यों ने भी इस कार्यशाला में प्रतिभाग किया ।

तीन दिवसीय जिला संदर्भ समूह कार्यशाला प्राथमिक कक्षा के छात्रों के लिए बाल साहित्य कितना महत्वपूर्ण है इस सत्र कार्यशाला के मुख्य विषय बाल साहित्य और रचनात्मक लेखन के संदर्भ में चर्चा परिचर्चा की गयी।प्रतिभागियो से विद्यालय में बाल साहित्य को लेकर जो कार्य किए जा रहे हैं ,उनके अनुभवों पर चर्चा परिचर्चा की गयी। बाल साहित्य के बेहतर इस्तेमाल के लिए विद्यालय स्तर पर और क्या क्या किया जा सकता हैं। बाल साहित्य सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं है बल्कि सभी आयु वर्ग के लिए आनंद और अनुभव का स्रोत होती है। कार्यशाला में विभिन्न प्रकार के टेक्स्ट जैसे ग्रामशाला,हेमराज भट्ट की डायरी ,रेखा चमोली की डायरी के कुछ पन्ने ,यात्रा विवरण,विभिन्न प्रकार की कहानियाँ ,निबंध,अध्यापक के नाम पत्र आदि साहित्य अध्यापकों को पढ़ने को दिया गया जिसमें बताया गया कि बाल साहित्य पर आपकी क्या समझ बनी है बाल साहित्य के द्वारा बच्चों में पढ़ने की आदत को विकसित कैसे किया जा सकता है सभी के विचार सुनने के बाद यहा यह निष्कर्ष निकला कि बाल साहित्य के अंतर्गत वह समस्त साहित्य आता है जिसे बच्चों के मानसिक स्तर को ध्यान में रखकर लिखा गया हो बाल साहित्य में रोचक कहानियाँ एवं कवितायें प्रमुख हैं। हिन्दी में बाल साहित्य का एक बड़ा स्रोत

पंचतंत्र की कथाएँ हैं। प्रथम और द्वितीय दिवस बाल साहित्य पर ही विस्तृत रूप से चर्चा परिचर्चा हुई।

तृतीय दिवस रचनात्मक लेखन के बारे में कार्यशाला में बताया गया। लिखना "पढ़ने", 'सुनने' और "बोलने' पर ही निर्भर करता है। लिखने के लिए जो भी तथ्य सामग्री हमारे पास होती है,वह हमारी विचार प्रक्रिया पर ही निर्भर करती है। इमला या श्रुतलेख को लेखन कौशल का अभ्यास तो माना जा सकता ,लेकिन स्वयं मे वह लेखन नहीं है। लिखने कि पहली शर्त है कि उसमे विचार हों । ये विचार आपको पढ़ने से मिल सकते है, कुछ सुनकर आपके मन में लिखने लायक विचार बन सकता है। कार्यशाला में इन सभी लेखन कि बारीकियों को ध्यान में रखते हुए लेखन के विविध आयामों पर बातचीत करते हुए लेखन की रचनात्मकता को समझने का प्रयास किया गया। प्राथमिक स्तर पर लेखन की विविधता व महत्व को समझना । प्राथमिक स्तर पर बच्चों से किस प्रकार का लेखन अपेक्षित है? आप बच्चों के साथ किस प्रकार का लेखन का कार्य करते है?वर्तमान में लेखन से जुड़ी कौन कौन सी चुनोतिया हैं? विविध प्रकार के लेखन में शिक्षक की भूमिका ?इन सभी लेखन के आयामों पर चर्चा-परिचर्चा की गयी। प्राथमिक स्तर पर लेखन के मुख्य रूप से स्वतंत्र लेखन,कौशल आधारित लेखन व पाठ आधारित लेखन पर विस्तृत रूप से चर्चा-परिचर्चा की गयी। कार्यशाला के समेकन के तौर पर प्रतिभागियों से तीन दिनों के अनुभव सुने गए कि यह कार्यशाला किस प्रकार उनके लिए व उनके स्कूल के बच्चों के लिए उपयोगी साबित होगी व कार्यशाला में बताई गयी गतिविधियां उनके छात्रों के लिए कैसे उपयोगी होंगी इस पर चर्चा-परिचर्चा की गयी

# प्रतिभागियों की सूची

| क्र0 सं0 | नाम | पदनाम | विद्यालय का नाम | ब्लॉक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | श्रीमती अंजू देवी | प्र0अ0 | रा0प्रा0वि0 देवरी | भिलंगना |
| 2. | श्री अश्विनी कुमार | स0अ0 | रा0आ0प्रा0वि0 रगड़ी | भिलंगना |
| 3. | श्री गोविन्द सिंह रावत | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 मेटीथाती | भिलंगना |
| 4. | श्री मोर सिंह असवाल | स0अ0 | रा0आ0प्रा0वि0 ढुंगीधार | चम्बा |
| 5. | श्री राम सिंह कुटटी | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 नकोट | चम्बा |
| 6. | श्रीमती अनिता चौहान | प्र0अ0 | रा0प्रा0वि0 कोटद्वारा | चम्बा |
| 7. | श्री हर्षवर्धन नेगी | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 हिण्डोलाखाल | देवप्रयाग |
| 8. | श्री उत्तम सिंह | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 उनाना | देवप्रयाग |
| 9. | श्री प्रशान्त ठाकुर | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 खरसाड़ी | देवप्रयाग |
| 10. | श्री लुदर सिंह राणा | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 छेटी | जाखणीधार |
| 11. | श्री मोहन लाल सेमल्टी | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 प्रसारी | जाखणीधार |
| 12. | श्रीमती अन्नपूर्णा पेटवाल | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 खाण्ड नवीन | जाखणीधार |
| 13. | श्री अनुपम यादव | प्र0अ0 | रा0प्रा0वि0 डोमसी | जौनपुर |
| 14. | श्री गजेन्द्र दत्त बिजोला | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 बैसियान | जौनपुर |
| 15. | श्री विजय प्रकाश रतूड़ी | प्र0अ0 | रा0प्रा0वि0 गवांली डांडा | जौनपुर |
| 16. | श्री सुरजीत | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 डांडा बुडाली | कीर्तिनगर |
| 17. | श्री शमशेर सिंह | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 लूसी | कीर्तिनगर |
| 18. | श्री मदन लाल | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 खर्क | कीर्तिनगर |
| 19. | श्रीमती ममता पाण्डे | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 बसुई | नरेन्द्रनगर |
| 20. | श्री राजेन्द्र सिंह नेगी | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 कुमाली | नरेन्द्रनगर |
| 21. | श्री जगमोहन | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 सैदर | नरेन्द्रनगर |
| 22. | श्री कमल किशोर | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 राजू की सारी | प्रतापनगर |
| 23. | श्रीमती सावित्री डोभाल | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 पथियाणा | प्रतापनगर |
| 24. | श्री राजेन्द्र दास | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 पडिया कन्या | प्रतापनगर |
| 25. | श्रीमती पूजा रानी | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 काफलपानी | थौलधार |
| 26. | श्रीमती दीपा डंगवाल | प्र0अ0 | रा0प्रा0वि0 सैलूर | थौलधार |
| 27. | श्रीमती नाजमा बेगम | स0अ0 | रा0प्रा0वि0 किरगणी | थौलधार |